

संक्षिप्त खबरें

ब्रेनी एंड ब्राइट एफेडीनी ने कार्याविज्ञ प्रतियोगिता



फतहु। गुरुवार को ब्रेनी एंड ब्राइट

एफेडीनी द्वारा विज्ञ प्रतियोगिता का

आयोजन किया गया। इस संबंध में

कोविड के डायरेक्टर अमर मिश्र

ने बताया कि कुतुहा में पहली बार

हमारे संस्थान द्वारा विज्ञ प्रतियोगिता

का आयोजन अंग्रेजी और मिश्र

जया है। इसके बाद परिजनों के

आयोग परिजनों को भूमार सिंह ने बताया

कि पुलिस मामले की जांच बन कर रही है। इसके

अलावा सीरीसीटीवी को भी खांगला जा रहा है।

सागर की हत्या कर शब को नाला में डाला गया।

इसकी पड़ताल की जा रही है।

हालांकि नाला इन्हाँ गहरा और बड़ा नहीं है

कि उसमें ढूक घर पुरुषकार - करण

कुमार, दुर्गा कुमारी, दुर्गा कुमारी,

द्वितीय पुरुषकार - आदित्य कुमार,

आर्वन राज, प्रशांत कुमार और

तृतीय पुरुषकार - अविंश कुमारी,

ऋणवाली कुमारी, हार्षिक राज को दिया

गया। पुरुषकार वितरण करते हुए

सेवानिवृत्त इन्स्टेक्टर संस्कृत एजेंसी

ने कहा कि विज्ञ प्रतियोगिता से

बच्चों का दिमाग उन्नत होता है।

विज्ञ प्रतियोगिता से ही बच्चे सीखते

हैं और अपनी शैक्षणिक योग्यता को

मजबूत करते हैं। मौके पर सैकड़ों

प्रेम प्रसंग मामले में युवक गिरपातार

दानापुर। नगर के लूपसापुर धाना

क्षेत्र के अंतर्गत दो मामिले से एक युवक

द्वारा नाबालिंग लड़की को प्रेम जाल

में फँका रखा लेकर फँका हो जाने

मामले में पुलिस ने जानकारी देते

हुए थानांक्षय राणविजय कुमार ने

बताया कि नाबालिंग लड़की को दिया

गया। पुरुषकार वितरण करते हुए

सेवानिवृत्त इन्स्टेक्टर संस्कृत एजेंसी

ने कहा कि युवक को दिया गया

था। उन्होंने अपने बाल लेला

कर दिया गया। उन्होंने अपने बाल को

संक्षिप्त खबरें

गढ़हरिया में कुश्ती दंगल का आयोजन

सौरबाजार/सहरसा- प्रखंड क्षेत्र के देलवे स्टेशन नियर गढ़हरिया में सरस्वती पूजा के अवसर पर कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन होना है।

राज्य के नामांचीन पहलवानों की प्रतियोगिता में भाग लेंगी। वहीं तीन दिनों तक नाच का कार्यक्रम भी होना है। इस जाग में सदियों से सरस्वती पूजा के अवसर पर मेला लगाना का परंपरा है।

कुश्ती प्रतियोगिता और देहाती नाच कार्यक्रम 16 से 18 फरवरी तक होना है। सरस्वती पूजा मेला समिति के सरस्वती ने बताया कि मेला और कार्यक्रमों को लेकर सभी तैयारी पूरी की रही गई है। कुश्ती प्रतियोगिता में तीन प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, बुंदे लखड़, उत्तराखण्ड, बिहार एवं स्थानीय पहलवानों के बीच एक से बढ़कर एक दाव पेंच दिखाया जाएगा।

बार की मेले कुछ हटकट सैले का आयोजन किया गया है। मेला समितियों के द्वारा प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान वाले पहलवानों को प्रतियोगिता भागियों को सम्मानित भी किया जाएगा।



प्रातः किरण, संवाददाता

खगड़िया। देश बचाओं अभियान के अवरुद्ध करने तथा पटना में आदोलनकारी शिक्षकों पर लाली चार्च करने, शिक्षकों का अधिकार पर कुठारायात करने, शिक्षकों का अधिकारिक शारीरिक श्रम शोषण करने, भाकपा माले के विधायक मनोज मंजिल सहित 23 लोगों को एडीए का अधिकार का हनन करने, सङ्केत पर समर्थन नहीं करने पर बदले की भावाना से

बेरीकेटिंग करने, कील ठोकने, सङ्केत को मूर्ख बनाने एवं विकास का कार्य उपर करने के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए घोर निंदा की तथा मोदी एवं संतीश की सरकार को आड़ हाथों लेते हुए 16 फरवरी 2024 को संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर केंद्र की मोदी सरकार एवं राज्य की

- मोटी सरकार पूँजीपतियों के लिए बिछाती है महंगी कालीन, अनन्दाता किसान के लिए सङ्केतों पर टोक रही है कील - किरण देव यादव
- ट्रेड यूनियन से जुड़े किसान मजदूर छात्र नौजवान महिलाएं सर्विदा कर्मी से आदोलन में भाग लेने का किया आपील
- किसानों के अनाज का न्यूनतम समर्थन मूल्य देने को लेकर संघर्ष जारी रहेगा - किसान गोर्बा

साजिशन आजीवन कारावास की सजा दिलवाने, बिहार सरकार द्वारा जनता के साथ धोखा देने, दल बदल गठबंधन करने तथा जनता को मूर्ख बनाने एवं विकास का कार्य उपर करने के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए घोर निंदा की तथा मोदी एवं संतीश की सरकार को आड़ हाथों लेते हुए 16 फरवरी 2024 को संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर केंद्र की मोदी सरकार एवं राज्य की

नीतीश सरकार का पुतला दहन करने, देशव्यापी आम ग्रामीण हड़ताल करने तथा

प्रतिरोध मार्च निकालकर प्रदर्शन किया जाएगा। समाहरणालय के समक्ष धरना स्थल पर देश बचाओं अभियान की बैठक की अध्यक्षता अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने किया। बैठक में अभियान के महासचिव उमेश ठाकुर, संयुक्त सचिव लालनाथन सदा, सचिव धर्मेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष कमल किशोर यादव, संयोजक मधुबाला, चंद्रशेखर मंडल, राम सुचित पासवान, पक्ज कुमार, गोतम पासवान, तितली भारती, कालेश्वर ठाकुर, गोपेश तांती आदि ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए अभियान के संस्थापक अध्यक्ष ने कहा कि जहां एक और प्रधानमंत्री ने दोनों पंजीयनों के लिए महंगी कालीन बिछाती है वहां देश के अनन्दाता को आगे सङ्केत पर कीटों का सङ्केत सङ्केत की अवधि दूर की जाती है। वहां बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शिक्षक आशा ममता आंगनबाड़ी सेविका सहायिका रसोइया किसान मजदूर पर लाठी चार्झ करती है। जो घर निंदाई है।

भारती, कालेश्वर ठाकुर, गोपेश तांती आदि ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए अभियान के संस्थापक अध्यक्ष ने कहा कि जहां एक और प्रधानमंत्री ने दोनों पंजीयनों के लिए महंगी कालीन बिछाती है वहां देश के अनन्दाता को आगे सङ्केत पर कीटों का सङ्केत सङ्केत की अवधि दूर की जाती है।

बैठक में अभियान के महासचिव उमेश ठाकुर, संयुक्त सचिव लालनाथन सदा, सचिव धर्मेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष कमल किशोर यादव, संयोजक मधुबाला, चंद्रशेखर मंडल, राम सुचित पासवान, पक्ज कुमार, गोतम पासवान, तितली भारती, कालेश्वर ठाकुर, गोपेश तांती आदि ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए अभियान के संस्थापक अध्यक्ष ने कहा कि जहां एक और प्रधानमंत्री ने दोनों पंजीयनों के लिए महंगी कालीन बिछाती है वहां देश के अनन्दाता को आगे सङ्केत पर कीटों का सङ्केत सङ्केत की अवधि दूर की जाती है। वहां बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शिक्षक आशा ममता आंगनबाड़ी सेविका सहायिका रसोइया किसान मजदूर पर लाठी चार्झ करती है। जो घर निंदाई है।

भवन निर्माण विभाग

कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना का कार्यालय अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना, संख्या - 110 वर्ष 2023-24

1.	विज्ञापनदाता का प्राप्तनाम एवं पता	:	कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना।
2.	परिसंग-विपत्र विक्री की तिथि एवं समय	:	दिनांक 27.02.2024 को 12:00 बजे अपराह्न तक।
3.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	:	दिनांक 28.02.2024 को 03:00 बजे अपराह्न तक।
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:	दिनांक 28.02.2024 को 03:30 बजे अपराह्न।
5.	परिमाण विपत्र विक्री का स्थान	:	(क) अंचल कार्यालय, दक्षिण विहार भवन प्रमण्डल, पटना। (ख) प्रांगंडल कार्यालय, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना। (ग) संयोजित अवर प्रमण्डल कार्यालय।
6.	निविदा प्राप्ति का स्थान	:	क्रमांक (5) के वर्णित स्थान (क) एवं (ख) पर।
7.	कार्य की विवरणी :-	:	

क्र०	कार्य का नाम	प्राप्तकर्ता राशि (लाख रु० में)	अधिकार राशि (रु० में)	परिमाण विपत्र का मू० (रु० में)	कार्य समाप्ती की अवधि
1.	Renovation of Hume Pipe Drain in Gate No. - 3 to New Multi Storage Car Parking in Mall Road, Patna for the year 2023-24.	2.81	5,700=00	750=00	15 दिन
2.	Renovation of Resetting of Paver Block at Gate No. - 01 to Five Water Post in Mall Road, Old Sec'tt., Patna for the year 2023-24.	13.94	27,700=00	2,500=00	15 दिन
3.	Renovation of Kerb Stone and Gabion in Gate No. - 01 to Police Barrack in Old Sec'tt., Patna for the year 2023-24.	14.35	28,700=00	2,500=00	15 दिन
4.	Repairing of Drain and P.H.E. Works in Campus of Old Secretariat, Patna for 2023-24.	3.60	7,200=00	750=00	15 दिन
5.	E/R to Gate No. - 01 to Driver Rest Room Paver Block in Mall Road Irrigation Section, Patna for the year 2023-24.	6.85	13,700=00	1,250=00	15 दिन
6.	E/R to Paver Block Gate No. - 2 Check Post to Magazine House Mall Road in the Campus of Irrigation Section, Patna for the year 2023-24.	6.05	12,100=00	1,250=00	15 दिन
7.	E/R to Campus Development for Gardening in New Parking Ramp to P.H.E.D. Pump House in Mall Road in Irrigation Section, Patna for the year 2023-24. (Part - II)	4.08	8,200=00	750=00	15 दिन
8.	E/R to Campus Development for Gardening in New Parking Ramp to P.H.E.D. Pump House in Mall Road in Irrigation Section, Patna for the year 2023-24. (Part - I)	3.95	7,900=00	750=00	15 दिन
9.	E/R to Campus Development for Gardening in New Parking Ramp to P.H.E.D. Pump House in Mall Road in Irrigation Section, Patna for the year 2023-24. (Part - III)	2.58	5,200=00	750=00	15 दिन
10.	E/R to Paver Block Gate No. - 1 Driver Rest Room to New Parking Ramp in Mall Road in Irrigation Section, Patna for the year 2023-24. (Part - II)	9.45	18,900=00	1,250=00	15 दिन
11.	E/R to Paver Block Gate No. - 1 Driver Rest Room to New Parking Ramp in Mall Road in Irrigation Section, Patna for the year 2023-24. (Part - I)	4.43	8,900=00	750=00	15 दिन
12.	E/R to Paver Block Gate No. - 2 to Fire Office in Mall Road in Irrigation Section, Patna for the year 2023-24.	4.67	9,400=00	750=00	15 दिन
13.	E/R to Campus Development for Gardening in Gate No. - 1 Driver Rest Shed to New Parking Ramp in Mall Road in Irrigation Section, Patna for the year 2023-24.	9.14	18,300=00	1,250=00	15 दिन
14.	E/R to Paver Block Gate No. - 3 Check Post to D.S.P. Qtr. Mall Road in the Campus of Irrigation Section, Patna for the year 2023-24.	6.80	13,600=00	1,250=00	15 दिन
15.	E/R to Paver Block D.S.P. Qtr. to Magazine House in Mall Road in the Campus of Irrigation Section, Patna for the year 2023-24.	4.41	8,900=00	750=00	15 दिन
16.	E/R to Paver Block in Garden to Transformer in front of Police Barrack in Mall Road in Irrigation Section, Patna for year 23-24.	7.92	15,900=00	1,250=00	15 दिन
17.	Remaining Work of Boundary Wall of Near Sachiavali Section Office Mall Road in Irrigation Section, Patna for the year				

विचारमंथन

कोटा से कैसे मिटेगा आत्महत्याओं का कलंक

बिहार में नीतीश के खेला राजनीति का खेल
भारत की सियासी चच्चाओं में खेला शब्द संभवतः पश्चिम बंगाल का
मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की देन है। तब से मीडिया की चच्चाओं ने
आगे बढ़ते हुए अब राजनेताओं की जुबान पर भी यह छा गया है
समाज का प्रभु वर्ग भी इसमें खुब मजा लेने लगा है। इस शब्द में जं
अवसरवाद और अनैतिकता शामिल है, उस पर ध्यान देने की जरूरत
किसी को महसूस नहीं होती। जबकि नीतीश कुमार ने खेला किया
और तेजस्वी यादव ने उसका जवाबी खेला कर दिखाने का एलान
किया, तो उसे हिकारत के साथ देखने के बजाय सारी इलीट चर्चा
दोनों पक्षों की खेलाइ कर सकने की क्षमता के आकलन पर टिक गई।
क्या यह लोकतंत्र है? यही वजह है कि राजनेताओं का अवसरवाद
और अनैतिकता अब लोगों को उनका कौशल महसूस होने लगे हैं
इसकी होड़ में जो जीत जाए, उसे सिकंदर के रूप में देखा जाने लगता
है। शायद इसीलिए बिहार में जब नीतीश कुमार ने खेलाइ किया और
तेजस्वी यादव ने उसका जवाबी खेलाइ कर दिखाने का एलान किया,
तो उसे हिकारत के साथ देखने के बजाय सारी इलीट चर्चा दोनों पक्षों
की खेलाइ कर सकने की क्षमता के आकलन पर टिक गई। अंततः
सोमवार को तेजस्वी यादव की क्षमता से उम्मीद जोड़े लोगों का
मायूसी हाथ लगी, जब नीतीश के पक्ष ने दिखा दिया कि मुख्यमंत्री
आखिर सियासत के दांव खेलने में तेजस्वी के चाचाइ हैं। विश्वासमाप्ति
पर मतदान के दौरान नीतीश ना सिर्फ अपने समर्थकों को एकजु
रखने में सफल रहे, बल्कि तेजस्वी के राष्ट्रीय जनता दल के ती
विधायक भी तोड़ लिए। लोकिन मुद्दा यह है कि खेलाइ की इस होड़
में जनादेश की भावना का जिस तरह खुल्लमखुल्ला उल्लंघन होता
है और लोकतंत्र का मजाक बना दिया जाता है, सार्वजनिक चच्चाओं
में उसे इस तरह वैधता देना क्या इस खेल में खुब शामिल होना
नहीं है? इससे भी बड़ा सवाल है कि राजनीति अगर सिर्फ सत्ता के
समीकरण बैठाने का खेल बन जाए, तो क्या उसे लोकतांत्रिक कहा
भी सकता है? लोकतांत्रिक राजनीति में यह अंतर्निहित है कि उसने
पारिंयां जनता के उन समूहों के हितों का प्रतिनिधित्व करें, जिनके
समर्थन से उनकी हैसियत बनती है। इसके विपरीत अगर नेताओं वे
अपने हित सर्वोच्च हो जाएं, उन्हें साधने के लिए वे हर तरह का
खेलाइ करने लगें, और प्रभु वर्ग में उसको उनका कौशल माना जाए
लगे, तो उसका यही अर्थ होगा कि लोकतंत्र की इति-श्री हो चुकी है।

ਉਸਾਨ ਸੱਗਠਨ ਦਿੱਲੀ ਚਲੇ ਅਭਿਆਨ ਪਰ ਨਿਕਲ ਪਢੇ ਹਨ। ਇ

2020 का नजारा फिर से सामने आ खड़ा हो आ है। तब आंदोलन से निपटने के सरकारी उपाय किसानों का हौसला तोड़े में नाकारहे थे। क्या इस बार सरकार सफल होगी? किसान संगठनों व मांगों का ना सिर्फ वर्तमान सत्ताधारी पर्टी, बल्कि आज की पूर्वपॉलिटिकल इकॉनॉमी के साथ तीखा अंतर्विरोध है। इसलिए इसकोई हैरत की बात नहीं कि चंडीगढ़ में तीन केंद्रीय मर्मियों व टीम के साथ इन संगठनों की बातचीत नाकाम हो गई। दोनों पक्षों में सहमति सिर्फ तभी बन सकती है, जब उनमें से कोई अपनी बुनियादी प्रस्थान बिंदु से हटने को तैयार हो। सरकार तो संभवतः तब तक ऐसा नहीं करगी, जब तक किसान अपने आंदोलन व इतना बड़ा ना बना दें, जिसका असर सत्ताधारी दल की चुनावी संभवाओं पर महसूस होने लगे। दूसरी तरफ सरकार की माझूरी नीतियों से किसान और कृषि अर्थव्यवस्था जिस तरह बदलाव हो रहे हैं, उसके बीच इन संगठनों के पास भी लंबी लड़ाई लड़े व अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा है। यही कारण है कि लगभग दो साल के अंतराल के बाद फिर एक बड़े किसान आंदोलन व शुरूआत हो गई है। कई किसान संगठन मंगलवार को अपने दिल्ली चलोड़ अभियान पर निकल पड़े हैं। इसके तहत हजारों किसान ट्रैक्टरों पर सवार होकर दिल्ली आने की तैयारी में हैं। इस बीच 1 फरवरी को किसान संगठन देश भर में ग्रामीण बंद का आयोजन करेंगे। उस रोजे ट्रैड यूनियनें भी उनकी इस लड़ाई में शामिल होंगीं। दस ट्रैड यूनियनों ने उस दिन हड्डताल पर जाने का एलान किया है। इस बीच दिल्ली प्रशासन ने किसानों को दिल्ली पहुंचने से रोका के लिए कई उपाय किए हैं। दिल्ली की सभी सीमाओं पर बड़े संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती गई है। सड़कों पर सीमेंट टंके बैरिकेड, कटीली तरें और नुकीले उपकरणों को लगा दिया गया है। दिल्ली में एक महीने के लिए धारा 144 लागू कर दी गई है। जिसके तहत किसी भी तरह का विरोध प्रदर्शन, जुलूस या यात्रा निकलना प्रतिबंधित कर दिया गया है। हरियाणा सरकार ने अलग से ऐसे उपाय किए हैं, जिससे किसानों को दिल्ली पहुंचने के पहली ही रोक दिया जाए। यानी 2020 का नजारा फिर से सामने आ खड़ा हुआ है। लेकिन तब ऐसे उपाय किसानों का हौसला तोड़े में नाकारहे थे। क्या इस बार सरकार सफल होगी?

यह किसान आंदोलन नहीं, हिंसक टकराव लगता है। चूंकि 250 ट्रैक्टर और अन्य निजी गाड़ियां पंजाब से रवाना हुई थीं। वे दिल्ली

जान पर आमदा है। ऐसे में हालात हिस्क हाना स्वाभाविक है सुरक्षा बलों और पुलिस को ड्रोन से आंसू गैस के गोले दागने पड़े व्यक्तिकानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार का दायित्व है किसानों को खेदें डना पड़ा, तो पलट कर उन्होंने जमकर पथराकिया। शांभु बॉडर पर इस टकराव में 100 से अधिक किसानों घायल हुए और 50 से ज्यादा बेहोश हुए, जबकि अंबाला वै डीएसपी समेत 21 पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए। क्या ऐसे आंदोलनों से किसानों की समस्याएं हल हो सकती हैं? मार्गे मारी जा सकती हैं? दरअसल किसानों की मार्गे वित्तीय और बजटीय अधिक हैं? दरअसल लिहाजा आज हम उन्हीं आयामों का विश्लेषण करेंगे। सवाल इसके लिए कि जब स्वामीनाथन आयोग ने नवबर, 2006 तक अपनी छापेमारी के रूपमें भारत सरकार को सौंप दी थीं, तो उन्हें लागू कर्ने नहीं किया गया? क्योंकि डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार जानती थी कि रपटों के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय किया गया, तथा वित्तीय स्थिरता डगमगा सकती है और खाद्य मुद्रास्फीति 25-30% फीसदी तक बढ़ सकती है। क्या किसान देश में ऐसे आर्थिक हालात चाहते हैं? प्रछायात कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी का आकलन भी यही है। उनका कहना है कि मनमोहन सिंह सरीरांश अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री एमएसपी गारंटी कानून का रास्ता नहीं अपनाएंगे, लिहाजा सरकार ने उन रपटों को लागू नहीं किया यह आकलन भी है कि यदि सरकार को एमएसपी गारंटी पर हम 22-23 फसलों की खरीद करनी पड़े, तो उसे कमोबिश 10 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। यह राशि देश के आधारभूत ढांचों के लिए तय बजट के लगभग बराबर है। हमारा कुल खर्च बजट करीब 45 लाख करोड़ रुपए का है। यदि इसका एक-चौथा हिस्सा फसलों की खरीद पर ही खर्च किया जाता है, तो अन्य विकास परियोजनाओं का क्या होगा? मौजूदा सरकार ने अपने 10-साला कार्यकाल के दौरान 18.40 लाख करोड़ रुपए वे एमएसपी बदाए हैं। जाहिर है कि किसानों की फसलें बेहतर दायरे में आयोग की वित्तीय स्थिरता के लिए तय बजट के लगभग बराबर है।

नहीं मिला, लेकिन जिस व्यक्ति टनीति से दुनिया के कई हिस्सों परांगे लोग मारे गए उस हेनरी नर को शांति का नोबल मिला। का को एक के बाद एक छह धक्कलने वाले बराक ओबामा नोबल मिला और दुनिया में युद्ध सभसे बड़े जानकार माने गए चर्चिल को शांति का तो नहीं साहित्य का नोबल मिला। में नोबल पुरस्कारों को लेकर राजनीति होती रही है और जिस तरह से भू-राजनीतिक यों से प्रभावित होते रहे हैं उसी तरत रत का भी मामला है। भारत नेक महान स्वतंत्रता सेनानियों के निधन को दशकों बाद भारत गया। सोचें, कैसी विडंबना है वर्कर भीमराव अंबेडकर को रामचंद्रन के दो साल बाद में भारत रत मिला और सरदार वल्लभ भाई पटेल व मोरार को राजीव गांधी के साथ भारत रत दिया गया। महान सेनानी जयप्रकाश नारायण ने भी इंतजार करना पड़ा। उन में भारत रत मिला तो मालवीय को 2015 में नागरिक सम्मान दिया गया दिए जाने के इस पैटर्न के समझा जा सकता है कि किंविचारधारा के आधार पर ऐद्धार किया और भारत चुनाव किया। अब भी इस सभसे मौलिक राजनीतिक-विचारक राममनोहर लोहियर रत नहीं मिला। बाबू जगजीव लेकर कांशीराम तक अनेक हैं, जिनको यह सम्मान नहीं लेकिन इससे भारतीय राजसमाज में उनक योगदान का जाता है। चूंकि भारत रत के

रजी देसाई
1991 में
स्वतंत्रता
को तो और
को 1999
दन मोहन
सर्वोच्च
भारत रत्न
देख कर
उस तरह से
सरकारों ने
उन रक्तों का
स देश के
सामाजिक
को भारत
वन राम से
नेता ऐसे
मिला है।
नीति और
म नहीं हो
लिए ऐसी

महान विभूतियों के नाम पर विचार नहीं होता है, जिनका निधन आजादी से पहले हो गया था इसलिए विभूतियों की सूची थोड़ी छोटी हो जाती है फिर भी ऐसी अनेक विभूतियां हैं, जो इससे बचत रह गई हैं। असम में आजादी के बाद ही कांग्रेस की सरकारों ने इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान को राजनीति का एक टूल बना दिया था। आखिरी बार जब कांग्रेस की सरकार को भारत रत्न देने का मौका मिला तो उसने 2014 में सचिन तेंदुलकर को भारत रत्न दिया था। उस समय सचिन की उम्र 40 साल के करीब थी और वे खेल से रिटायर थी नहीं हुए थे। सोचें, भारत रत्न में खेल की श्रेणी नहीं थी इसलिए पहले की सरकारों ने महान ध्यानचंद या मिल्खा सिंह को इससे सम्पादित नहीं किया था। लेकिन जब खेल की श्रेणी में पुरस्कार दिया गया तो कांग्रेस की सरकार को सचिन तेंदुलकर पहले

खिलाया गया। इसका महाराष्ट्र तो कि समझ लगात सोचें, सचिन लेकर हैं! पांच बात उ इदिरा भारत या उस वाले निकाल और इंथा, ब जबरवत क्या उ सरका

तरह से चुप क्यों है? कई तारीखों पर सभी पक्षों को सुनने के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने 2 नवंबर, 2023 को जनवरी से 11 जनवरी, 2024 तक चली चुनावी बांड बिक्री के नवीनतम चरण में 570 करोड़ रुपये से अधिक न्यायालय में चुनौती दी गई थी, लेकिन पिछले साल अप्रैल में ही, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डॉ डी जुलाई और अक्टूबर के महीनों में 10 दिनों की अवधि के लिए खरीद के लिए उपलब्ध हैं। आम चुनाव के वर्षों दलबदल को सुनिश्चित करने के लिए भारी धनराशि जुटाई गई थी। भाजपा

नहीं है। विपक्षी दलों
भाजपा दस गुना से भ

खच करने का स्थात म
पड़ने पर दल-बदल कर
इसके पास एक विशाल

है। अब लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी भारी रकम खर्च करेगी। एवं और किंशत अप्रैल के पहले सप्ताह में आयेगी और नियमों के अनुसार बिक्री एक महीने से अधिक समय तक खुली रह सकती है क्योंकि यह आचुनाव की पूर्व संध्या पर है। सर्वोच्च न्यायालय तीन महीने से अधिक समय से विवादास्पद चुनावी बांड योजना की वैधता पर अपना निर्णय देने में पूर्व

नुनियास यूरो का दारापान निजपत्र सुरक्षित रखा था। अब उनमें महीने से अधिक समय बढ़ते चुका है लेकिन रजिस्ट्रेशन के कार्यालय से कोई संकेत नहीं है कि फैसला जल्द दिया जा रहा है। आदेश जो भी हो, बांड को मंजूरी देना या आदेश को रद्द करना वर्तमान समय में राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश में इस साल अप्रैल/मई में आम चुनाव होने वाले हैं और सत्तारूढ़ दल भाजपा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फैसले पर की जा रही देरी का पूरा फायदा उठा रही है। अब तक जारी किये गये चुनावी बांड की 80 प्रतिशत से अधिक राशि के साथ

के मुनाफे बांड चार पव नहीं हैं। सप्ताहान्तर में न्यायालय द्वारा चार याचिकाओं पर सुनवाई शुरू होने के बाद से यह बेचा गया चुनावी बांड का दूसरा बैंड था। 2018 में नंरेंट्र मोटी सरकार द्वारा घोषित चुनावी बांड योजना वैधता को चुनीती देते हुए, अब उन्हें 30 किश्तें बेची जा चुकी हैं अब उन्हें सबसे बड़ी लाभार्थी भाजपा रही है जो सत्तारूढ़ पार्टी है। चूंकि कॉरपोरेशन कम्पनियां बांड के मुख्य खरीदार हैं वे जो दातार सत्तारूढ़ शासन का प्रभाव लेने के लिए भाजपा को दान देते हैं। मूल चुनावी बांड योजना 2017 वर्ष से अंगले वर्ष 2018 से लागू होने के बाद

वाह प्रदूष सकारात्मक था। इस वह सुनवाई के लिए पांच सदस्यीय समितियां पीठ की स्थापना के बारे में फैसला करेंगे। उसके बाद से याचिकाओं पर पिछले साल 2 नवंबर को सुनवाई पूरी हुई थी। चुनावी बांड की 25वीं किश्त के मामले में, नरेंद्र मोदी सरकार ने 7 नवंबर 2022 को चुनावी बांड योजना के नियमों में जलदबाजी में संशोधन करके ऐचित्य का उल्लंघन किया, ताकि उस वर्ष के दौरान अतिरिक्त पंद्रह दिनों के लिए बिक्री की अनुमति दी जा सके, ऐसे समय जब कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव होने वाले थे। नियमों



रोहित ने लगाया करियर का 11वां शतक जडेजा ने 13 पारियों बाद सेंचुरी लगाई

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज का तीसरा मैच राजकोट में खेला जा रहा है। निरंजन शाह स्टेडियम में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। ध्वनि जुरेल और सरफराज खान ने डेब्यू किया।

भारत ने पहले दिन स्टांप्स तक पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 262 रन बना लिए हैं। रवींद्र जडेजा 110 और कुलदीप यादव 1 रन पर नाबाद हैं।

रोहित शर्मा का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वह 47वां शतक है और वह सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बलेबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर है। सबसे अधिक 80 शतक विराट कोहली शीर्ष पर और डेविड वॉर्नर के नाम 49 शतक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। बतौर ओपनर भी रोहित के नाम 42 शतक हो गए हैं। इस सूची में डेविड वॉर्नर 49 शतकों के साथ नंबर बन गये। सचिन तेंदुलकर 45 शतकों के साथ दूसरे नंबर पर बने हुए हैं।

30 साल की उम्र के बाद सबसे ज्यादा शतक

43 - कुमार संगकरा, श्रीलंका

36 - मैथ्यू हेडन, ऑस्ट्रेलिया

35 - सचिन तेंदुलकर, भारत

34 - रोहित शर्मा, भारत

34 - तिलकर दिलासन, श्रीलंका

30 - सन्त जस्त्यारा, श्रीलंका

रोहित बतौर कप्तान टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

टेस्ट में शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय कप्तान

36 साल, 291 दिन - रोहित शर्मा बनाम इंग्लैंड

36 साल, 278 दिन - विजय हजारे बनाम इंग्लैंड

36 साल, 236 दिन - विजय हजारे बनाम इंग्लैंड

36 साल, 73 दिन - रोहित शर्मा बनाम विंडीज

35 साल, 321 दिन - मोहम्मद अजहरुद्दीन बनाम न्यूजीलैंड

35 साल, 285 दिन - रोहित शर्मा बनाम ऑस्ट्रेलिया

35 वर्ष 38 दिन - मोहम्मद अजहरुद्दीन बनाम ऑस्ट्रेलिया



सरफराज खान के इंटरनेशनल करियर की पहली फिप्टी

टीम इंडिया के लिए अपना डेब्यू टेस्ट खेल रहे सरफराज खान ने 48 बॉल अपशंका लगाया। उन्होंने पैम्प हार्टले के खिलाफ 1 रन लेकर अपनी फिप्टी पूरी की। यह उनके इंटरनेशनल करियर की पहली फिप्टी रही।

जडेजा-सरफराज ने की फिप्टी पार्टनरशिप

रोहित शर्मा के आउट होने के बाद डेब्यू टेस्ट खेल रहे सरफराज खान ने जडेजा के साथ मिलकर भारत की पारी संभाली। दोनों ने गेंद 50 रन की साझेदारी हो गई है।

सरफराज खान और ध्वनि जुरेल को मिली भारतीय टेस्ट कैप, हुए भावुक



राजकोट। इंग्लैंड के खिलाफी तीसरे टेस्ट में भारतीय टीम की ओर से सरफराज खान और ध्वनि जुरेल डेब्यू करने में कामयाब रहे। मुंबई की तरफ से घरलू स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे सरफराज खिलाड़ी ने इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को अधिक इंतजार के बाद टेस्ट टीम में जगह मिल गई।

दाय়ে হাতে কে বলেবাজ সরফরাজ কো ভাৰতীয় টীম কে পূৰ্বে কপ্তান ওৱেৰে কে সবসে সফল গেণ্ডবাজ অনিন্ত কুকুলে নে টেস্ট কেপ দী। ইস অবসৰ পৰ কুকুলে নে কহা কি সরফরাজ আপ জিস তহৰ সে আগে বৰ্দে উস পৰ বাস্তব মেং হৰ্মে গৰ্ব হৰ্ব। আপনে জো কুছু হাসিল কিয়া মুখ্য বিশ্বাস হৈকি উস পৰ আপকো পিংতা ওৱে পৰিবার কো বৰুত গৰ্ব হোৱা। মুঢ়ে পতা হৈকি আপনে কঢ়ী মেহনত কী হৈ। যহ আপকো লঞ্চে করিয়া কো বাদ দেখব।

জগহ মিল গৰ্ব।

দায়ে হাতে কে বলেবাজ সরফরাজ কো ভাৰতীয় টীম কে পূৰ্বে কপ্তান ওৱেৰে কে সবসে সফল গেণ্ডবাজ অনিন্ত কুকুলে নে টেস্ট কেপ দী। ইস অবসৰ পৰ কুকুলে নে কহা কি সরফরাজ আপ জিস তহৰ সে আগে বৰ্দে উস পৰ বাস্তব মেং হৰ্মে গৰ্ব হৰ্ব। আপনে জো কুছু হাসিল কিয়া মুখ্য বিশ্বাস হৈকি উস পৰ আপকো পিংতা ওৱে পৰিবার কো বৰুত গৰ্ব হোৱা। মুঢ়ে পতা হৈকি আপনে কঢ়ী মেহনত কী হৈ। যহ আপকো লঞ্চে করিয়া কো বাদ দেখব।

জগহ মিল গৰ্ব।

দায়ে হাতে কে বলেবাজ সরফরাজ কো ভাৰতীয় টীম কে পূৰ্বে কপ্তান ওৱেৰে কে সবসে সফল গেণ্ডবাজ অনিন্ত কুকুলে নে টেস্ট কেপ দী। ইস অবসৰ পৰ কুকুলে নে কহা কি সরফরাজ আপ জিস তহৰ সে আগে বৰ্দে উস পৰ বাস্তব মেং হৰ্মে গৰ্ব হৰ্ব। আপনে জো কুছু হাসিল কিয়া মুখ্য বিশ্বাস হৈকি উস পৰ আপকো পিংতা ওৱে পৰিবার কো বৰুত গৰ্ব হোৱা। মুঢ়ে পতা হৈকি আপনে কঢ়ী মেহনত কী হৈ। যহ আপকো লঞ্চে করিয়া কো বাদ দেখব।

জগহ মিল গৰ্ব।

দায়ে হাতে কে বলেবাজ সরফরাজ কো ভাৰতীয় টীম কে পূৰ্বে কপ্তান ওৱেৰে কে সবসে সফল গেণ্ডবাজ অনিন্ত কুকুলে নে টেস্ট কেপ দী। ইস অবসৰ পৰ কুকুলে নে কহা কি সরফরাজ আপ জিস তহৰ সে আগে বৰ্দে উস পৰ বাস্তব মেং হৰ্মে গৰ্ব হৰ্ব। আপনে জো কুছু হাসিল কিয়া মুখ্য বিশ্বাস হৈকি উস পৰ আপকো পিংতা ওৱে পৰিবার কো বৰুত গৰ্ব হোৱা। মুঢ়ে পতা হৈকি আপনে কঢ়ী মেহনত কী হৈ। যহ আপকো লঞ্চে করিয়া কো বাদ দেখব।

জগহ মিল গৰ্ব।

দায়ে হাতে কে বলেবাজ সরফরাজ কো ভাৰতীয় টীম কে পূৰ্বে কপ্তান ওৱেৰে কে সবসে সফল গেণ্ডবাজ অনিন্ত কুকুলে নে টেস্ট কেপ দী। ইস অবসৰ পৰ কুকুলে নে কহা কি সরফরাজ আপ জিস তহৰ সে আগে বৰ্দে উস পৰ বাস্তব মেং হৰ্মে গৰ্ব হৰ্ব। আপনে জো কুছু হাসিল কিয়া মুখ্য বিশ্বাস হৈকি উস পৰ আপকো পিংতা ওৱে পৰিবার কো বৰুত গৰ্ব হোৱা। মুঢ়ে পতা হৈকি আপনে কঢ়ী মেহনত কী হৈ। যহ আপকো লঞ্চে করিয়া কো বাদ দেখব।

জগহ মিল গৰ্ব।

দায়ে হাতে কে বলেবাজ সরফরাজ কো ভাৰতীয় টীম কে পূৰ্বে কপ্তান ওৱেৰে কে সবসে সফল গেণ্ডবাজ অনিন্ত কুকুলে নে টেস্ট কেপ দী। ইস অবসৰ পৰ কুকুলে নে কহা কি সরফরাজ আপ জিস তহৰ সে আগে বৰ্দে উস পৰ বাস্তব মেং হৰ্মে গৰ্ব হৰ্ব। আপনে জো কুছু হাসিল কিয়া মুখ্য বিশ্বাস হৈকি উস পৰ আপকো পিংতা ওৱে পৰিবার কো বৰুত গৰ্ব হোৱা। মুঢ়ে পতা হৈকি আপনে কঢ়ী মেহনত কী হৈ। যহ আপকো লঞ্চে করিয়া কো বাদ দেখব।

জগহ মিল গৰ্ব।

দায়ে হাতে কে বলেবাজ সরফরাজ কো ভাৰতীয় টীম কে পূৰ্বে কপ্তান ওৱেৰে কে সবসে সফল গেণ্ডবাজ অনিন্ত কুকুলে নে টেস্ট কেপ দী। ইস অবসৰ পৰ কুকুলে নে কহা কি সরফরাজ আপ জিস তহৰ সে আগে বৰ্দে উস পৰ বাস্তব মেং হৰ্মে গৰ্ব হৰ্ব। আপনে জো কুছু হাসিল কিয়া মুখ্য বিশ্বাস হৈকি উস পৰ আপকো পিংতা ওৱে পৰিবার কো বৰুত গৰ্ব হোৱা। মুঢ়ে পতা হৈকি আপনে কঢ়ী মেহনত কী হৈ। যহ আপকো লঞ্চে করিয়া কো বাদ দেখব।

জগহ মিল গৰ্ব।

দায়ে হাতে কে বলেবাজ সরফরাজ কো ভাৰতীয় টীম কে পূৰ্বে কপ্তান ওৱেৰে কে সবসে সফল গেণ্ডবাজ অনিন্ত কুকুলে নে টেস্ট কেপ দী। ইস অবসৰ পৰ কুকুলে নে কহা কি সরফরাজ আপ জিস তহৰ সে আগে বৰ্দে উস পৰ বাস্তব মেং হৰ্মে গৰ্ব হৰ্ব। আপনে জো কুছু হাসিল কিয়া মুখ্য বিশ্বাস হৈকি উস পৰ আপকো পিংতা ওৱে পৰিবার কো বৰুত গৰ্ব হোৱা। মুঢ়ে পতা হৈকি আপনে কঢ়ী মেহনত কী হৈ। যহ আপকো লঞ্চে করিয়া কো বাদ দেখব।

জগহ মিল গৰ্ব।

দায়ে হাতে কে বলেবাজ সরফরাজ কো ভাৰতীয় টীম কে পূৰ্বে কপ্তান ওৱেৰে কে সবসে সফল গেণ্ডবাজ অনিন্ত কুকুলে নে টেস্ট কেপ দী। ইস অবসৰ পৰ কুকুলে নে কহা কি সরফরাজ আপ জিস তহৰ সে আগে বৰ্দে উস পৰ বাস্তব মেং হৰ্মে গৰ্ব হৰ্ব। আপনে জো কুছু হাসিল কিয়া মুখ্য বিশ্বাস হৈকি উস পৰ আপকো পিংতা ওৱে পৰিবার কো বৰুত গৰ্ব হোৱা। মুঢ়ে পতা হৈকি আপনে কঢ়ী মেহনত

